University in News on 25 April 2024

HINDUSTAN PAGE 6

लखनऊ विश्वविद्यालय में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में आवेदन प्रक्रिया जारी

डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स के लिए 10 जून तक आवेदन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थी विवि की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए आवेदन कर सकेंगे। जानकारी के अनुसार आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जून तय कर दी गई है।

एलयू के अलग-अलग संकायों में संचालित होने वाले डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, प्रोफिशिएंसी, सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। इन कार्यक्रमों में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए एलयू प्रशासन की ओर से गाइडलाइन जारी कर दी गई है। जिसके तहत प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ. शंकर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी, कला, विज्ञान और योग संकाय में चलने वाले कार्यक्रमों के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। इसके अलावा ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च में फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन शुल्क 500 रूपये है।

- कला, विज्ञान व योग और ओएनजीसी में मांगे आवेदन
- विवि की वेबसाइट के जरिए कर सकेंगे आवेदन
- आवेदन शुल्क 500 रुपये तय किया गया

इन कोर्स के लिए भी विद्यार्थी कर सकेंगे आवेदन

कोर्स का प्रकार	कोर्स	सीट
पीजी डिप्लोमा	राइट टू इनफॉर्मेशन	30
डिप्लोमा	डाटा एनालिटिक्स विथ एसपीएसएस	30
पीजी डिप्लोमा	एपिडेमोलॉजी एंड बायोस्टैटिस्टिक्स	30
पीजी डिप्लोमा	रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस	15
पीजी डिप्लोमा	योग	40
सर्टिफिकेट	एक्वाटिक वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन	20
सर्टिफिकेट	ओरिएंथोलॉजी	20
सर्टिफिकेट	वेटलैंड मैनेजमेंट	20
डिप्लोमा	स्किल डेवलेपमेंट इन प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन ऑफ मेडिशिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स	25
पीजी डिप्लोमा	बायोडाइवर्सिटी, वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट	30
पीजी डिप्लोमा	एक्सप्लोरेशन, रिसोर्सेज एंड माइनिंग मैनेजमेंट	10

20 सीटों पर एडवांस डिप्लोमा के लिए अरेबिक में आवेदन

30 सीटें न्यूट्रीशियन एंड डाइटेक्टिस विषय में हैं विद्यार्थियों के लिए

अरेबिक, फ्रेंच, तमिल, पाली में कई कोर्स

एलयू में एडवांस डिप्लोमा के लिए अरेबिक में 20, क्लिनिकल न्यूट्रीशियन एंड डाइटेक्टिस 30, फ्रेंच रेगुलर 10, फ्रेंच सेल्फ फाइनेंस 10 और तमिल की 20 सीट हैं। सर्टिफिकेट में प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच रेगुलर की 40 और प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच सेल्फ फाइनेंस की 80 सीट हैं। इसी तरह डिप्लोमा के लिए अरेबिक में 20, प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच रेगुलर 20, प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच सेल्फ फाइनेंस 20 और तमिल की 20 सीट हैं। पीजी डिप्लोमा में एस्थेटिक्स एंड संस्कृत थिएटर की 20, आर्कियोलॉजी एंड म्यूजियोलॉजी 15, डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलेशन 30, गर्भ संस्कार 30, एचआईवी-एड्स एंड फैमिली लाइफ एजुकेशन 30, लिंग्विस्टिक 30, पाली 20, प्राकृत 20, लोक प्रशासन 60, रिप्रोडक्टिव एंड वाइल्ड हेल्थ 30, संस्कृत 20, सोशल ड्यूटीज एंड ह्यूमन राइट्स 30 समेत अन्य।

स्नातक दूसरे और तीसरे वर्ष में प्रवेश को एनओसी अनिवार्य

- एनईपी-2020 के तहत अब दाखिला ले सकेंगे विद्यार्थी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय या संबद्ध किसी भी कॉलेज में स्नातक दूसरे व तीसरे वर्ष में प्रवेश के लिए संबंधित संस्थान की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अनिवार्य है।

बता दें कि इसके बिना विवि या कॉलेज दाखिला नहीं लेगा। छात्र जिस कॉलेज से छोड़ रहा है और जिस कॉलेज में दाखिला लेना चाहता है दोनों की एनओसी जरूरी है।

एलयू या संबद्ध कॉलेज में एनईपी के तहत अब स्नातक दूसरे व तीसरे वर्ष में प्रवेश लिए जा सकेंगे। इसके लिए छात्र को आवेदन करने से पूर्व अपने पुराने कॉलेज या विवि और जहां वह एडमिशन लेना चाहता है, दोनों की एनओसी प्राप्त करनी होगी। इसके बाद ही वह प्रवेश लेने का पात्र माना जाएगा। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्नातक दूसरे या तीसरे वर्ष में एडमिशन लेने का प्रावधान है। कुलसचिव ने बताया कि प्रवेश के लिए एनओसी प्राप्त करना जरूरी है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

एलयू में लाइब्रेरी कर्मचारी निलंबित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एक कर्मचारी को आदेशों की अवहेलना, कार्यों में रूचि न लेने के कारण निलंबित कर दिया गया है। जांच समिति गठित कर दी गई है। इस संबंध में कुलसचिव ने आदेश जारी कर दिया।

एलयू के डीटीपी अनुभाग में प्रोग्रामर मनोज सक्सेना टैगोर पुस्तकालय संबद्ध थे। उन पर आरोप है कि वह टैगोर पुस्तकालय के कार्यों में रूचि नहीं लेते थे। आदेशों का पालन नहीं करते थे। बताए गए कार्यों को टालते थे। जिस कारण कुलपति के आदेश पर उन्हें निलंबित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जिसका आदेश मंगलवार को कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने जारी किया है।

सेना में कमीशन अधिकारी बने कुशाग्र

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय सेना में कमीशन अधिकारी के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र का चयन हुआ है। 61वीं रैंक के साथ स्नातक का छात्र भारतीय सैन्य अकादमी के लिए चयनित किया गया है। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव बताते हैं कि कुशाग्र मिश्रा ने लविवि से अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं हिन्दी विषयों के साथ बीए की परीक्षा वर्ष 2023 में उत्तीर्ण की है। छात्र ने प्रथम प्रयास में ही एसएसबी उत्तीर्ण की। कुशाग्र बताते हैं कि राष्ट्रीय कैडेट कोर उनकी यात्रा में परिवर्तन की मुख्य कड़ी बना है।

i-NEXT PAGE 3

44 कोर्सों की 1090 सीटों पर मिलेगा एडमिशन का मौका

MISSION ADMISSION

लखनऊ यूनिवर्सिटी में 10 जून तक डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा में आवेदन

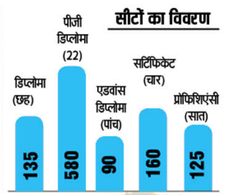

LUCKNOW (24 APRIL): लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक, परास्नातक के बाद अब परास्नातक डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और प्रोफेशिएंसी मिलाकर 44 पाठ्यक्रमों में भी आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है. अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://222.lkouni1.ac.in/en/page/diploma-programmes के माध्यम से 10 जून तक आवेदन फार्म भर सकते हैं.

44 कोर्सों में 1090 सीटें

लखनऊ विश्वविद्यालय के पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और प्रोफेशिएंसी के करीब 44 पाठ्यक्रमों में 1,090 सीटें हैं. प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि इन कोर्सों में प्रवेश संबंधी विस्तृत गाइडलाइन वेबसाइट पर अपलोड की गई है. आवेदन शुल्क सामान्य, ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को एक हजार रुपये, एससी-एसटी व फिजिकल हैंडीकैप के लिए 500 रुपये है.

कोर्स संचालन के लिए ये है नियम

गाइडलाइन के अनुसार किसी भी डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम जिसमें विज्ञापित सीटें 30 या उससे अधिक हैं. ऐसे प्रोग्राम तभी चलेंगे, जब उसमें न्यूनतम 20 विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं. इसी तरह ऐसे डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम जिसमें विज्ञापित सीटें 30 या उससे कम हैं, वे तभी चलेंगे जब उसमें न्यूनतम 10 विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं. सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में यदि कुल सीटों के सापेक्ष 60 प्रतिशत न भरने पर कोर्स संचालित नहीं होगा.

भारतीय सैन्य अकादमी में कैडेट का चयन

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यूपी वाहिनी एनसीसी के कैडेट कुशाग्र मिश्रा का चयन आल इंडिया रैंक 61 के साथ भारतीय सैन्य अकादमी के लिए हुआ है. कुशाग्र मिश्रा ने एलयू से अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं हिन्दी विषयों के साथ 2023 में बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की थी. उन्हें पहले ही प्रयास में सफलता मिली. अब वह अधिकारी बनने के लिए भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में जुलाई माह से शामिल होंगे. कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं सभी शिक्षकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं.

लखनऊ यूनिवर्सिटी में हुई प्रतियोगिताएं

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो बोनो क्लब के संयोजक डा. आलोक कुमार यादव की ओर से अंतर महाविद्यालय पंच प्राण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग अथवा क्विज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया. स्लोगन प्रतियोगिता की विजेता आरुषि, पेंटिंग में अदिति सिंह और प्रश्नोत्तरी में गौरव चावला विजेता रहे. मनीष तिवारी, यश, रीतम, काव्या सिंह को प्रो बोनो क्लब के सबसे समर्पित सहयोगी होने का सम्मान मिला. प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार मिला.

शराब पीने के प्रतिकूल प्रभाव पर हुआ व्याख्यान

लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग और कंज्यूमर वाइस के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को डीपीए हाल में गैर जिम्मेदाराना शराब पीने का प्रतिकूल प्रभाव विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया. कंज्यूमर वायस के हेमंत उपाध्याय ने शराब पीने की गंभीरता पर विचार रखते हुए समस्या से निपटने में समाज और व्यक्तियों की साझा जिम्मेदारी पर जोर दिया. ट्रैफिक इंस्पेक्टर राधे श्याम ने नशे में गाड़ी चलाने के मुद्दों और कानूनी निहितार्थों पर चर्चा की. डा. प्रवेश द्विवेदी, प्रो. एनएल भारती ने अपने विचार रखे.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : 27 को जारी होंगे प्रवेश पत्र

पहली बार तीन पालियों में होगी परीक्षा, लखनऊ व अन्य जिलों के तीन लाख विद्यार्थी होंगे शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 30 अप्रैल से सम सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू होंगी। इसे लेकर सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा विभाग की ओर से 27 अप्रैल को विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए जाएंगे। सम सेमेस्टर परीक्षाओं में हरदोई, लखीमपुर, रायबरेली, लखनऊ व सीतापुर के तीन लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इस वर्ष पहली बार छात्र-छात्राएं तीन पालियों में परीक्षा देंगे। लखनऊ के विद्यार्थियों के लिए यह अनुभव नया होगा। जबकि सहयुक्त जिलों के संबद्ध महाविद्यालयों में पहले तीन पालियों में परीक्षा व्यवस्था लागू रही है। तीन पालियों में परीक्षा कराने का नियम हाल ही में हुई परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य विवि द्वारा समय पर परीक्षा संपादित कराना है जिससे तय समय में परीक्षा परिणाम घोषित किया जा सके।

सम सेमेस्टर की परीक्षा में बहुविकल्पीय सवाल पूछे जाएंगे। प्रश्न त्र में पूछे गए सौ सवालों में विद्यार्थियों को 75 के उत्तर देने होंगे। जबकि बाकी 25 अंक आंतरिक परीक्षा के आधार पर दिए जाएंगे। परीक्षा के लिए विद्यार्थी को डेढ़ घंटे का समय दिया जाएगा। पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े दस बजे शुरू होगी। परीक्षा के लिए उन्हीं विद्यार्थियों का प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा जिनकी उपस्थिति 75 फीसदी से अधिक है और कॉलेज व विभागाध्यक्ष ने उसे प्रमाणित किया हुआ हो।

लविवि के छात्र कुशाग्र बने भारतीय सैन्य अकादमी में अधिकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र और 64 यूपी वाहिनी के कैडेट कुशाग्र मिश्र का चयन भारतीय सैन्य अकादमी में अधिकारी के तौर पर हुआ है।

कुशाग्र मिश्रा।

उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 61वीं रैंक हासिल कर यह सफलता पाई है।

कुशाग्र ने वर्ष 2023 में लविवि से अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास व हिंदी विषयों के साथ बीए में स्नातक की उपाधि ली है। कुशाग्र तैयारी के पहले चरण में एसएसबी की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। इस सफलता पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब वह अधिकारी बनने के यादगार सफर में सहयोगी बनने के लिए भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में जुलाई से शामिल होंगे। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि ने तीन कोर्सों में घटाई विदेशी विद्यार्थियों की फीस

कुलपति की अनुमति के बाद कुलसचिव ने जारी किया पत्र

जास • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्र-छात्राओं के लिए में तीन पाठ्यक्रमों में निर्धारित फीस घटा दी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने संशोधित फीस का पत्र जारी कर दिया है।

लविवि में वर्तमान में करीब 300 विदेशी छात्र-छात्राएं, विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ते हैं। हर साल भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (सीएसआइआर) के माध्यम से विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रवेश लेने आते हैं। बी.टेक, बी.बी.ए और बी.सी.ए ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनमें फीस अधिक होने से विदेशी छात्र-छात्राएं कम प्रवेश लेने आ रहे थे। अब इनकी फीस कम करने पर कुलपति ने स्वीकृति दे दी है। इसकी सूचना संबंधित विभागों को भी भेज दी गई है।

छात्र कर सकते हैं अन्य भुगतान: डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (पीबीटीयू) के बी.टेक और एम.टेक के सीएसई एवं आइटी के छात्र-छात्राएं अपनी तकनीकी क्षमता का मूल्यांकन एचसीएल और गुगी को ओर से आयोजित टेक्नेक्स और क्षमता परीक्षा के जरिए कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के साथ हुए एमओयू के तहत कंपनी यह टेस्ट कराने जा रही है। टेस्ट में शामिल होने के लिए छात्रों को पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण निशुल्क है।

कोर्स	वर्तमान फीस	संशोधित फीस
बी.टेक	2500 प्रति सेमेस्टर	1200 प्रति सेमेस्टर
बी.बी.ए	2300 प्रति सेमेस्टर	1000 प्रति सेमेस्टर
बी.सी.ए	2300 प्रति सेमेस्टर	1000 प्रति सेमेस्टर

(फीस यूएस डालर में)

डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्सों में आवेदन 10 जून तक

जास • लखनऊ: लवि के स्नातक, परास्नातक के बाद अब परास्नातक डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और प्रोफेशिएंसी मिलाकर 44 पाठ्यक्रमों में भी आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/en/page/diploma-programmes के माध्यम से 10 जून तक आवेदन फार्म भर सकते हैं।

लवि के पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और प्रोफेशिएंसी के करीब 44 पाठ्यक्रमों में 1,090 सीटें हैं। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि इन कोर्सों में प्रवेश संबंधी विस्तृत गाइडलाइन वेबसाइट पर अपलोड की गई है। आवेदन शुल्क सामान्य, ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को एक हजार रुपये, एससी-एसटी व फिजिकल हैंडीकैप के लिए 500 रुपये है।

कोर्स	संचालन के लिए न्यूनतम विद्यार्थी
डिप्लोमा (छह)	135
पीजी डिप्लोमा (22)	580
एडवांस डिप्लोमा (पांच)	90
सर्टिफिकेट (चार)	160
प्रोफिशिएंसी (सात)	125

लवि में हुई प्रतियोगिताएं

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो बोनो क्लब के संयोजक डा. आलोक कुमार यादव की ओर से अंतर महाविद्यालय पंच प्राण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग अथवा क्विज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। स्लोगन प्रतियोगिता की विजेता आरुषि, पेंटिंग में अदिति सिंह और प्रश्नोत्तरी में गौरव चावला विजेता रहे। मनीष तिवारी, यश, रीतम, काव्या सिंह को प्रो बोनो क्लब के सबसे समर्पित सहयोगी होने का सम्मान मिला। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार मिला। (जास)

भारतीय सैन्य अकादमी में कुशाग्र का चयन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यूपी वाहिनी एनसीसी के

कैडेट कुशाग्र मिश्रा का चयन आल इंडिया रैंक 61 के साथ भारतीय सैन्य अकादमी के लिए चयनित हुए। कुशाग्र मिश्रा ने लवि से अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं हिन्दी विषयों के साथ 2023 में बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उन्हें पहले ही प्रयास में सफलता मिली। अब वह अधिकारी बनने के लिए भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में जुलाई माह से शामिल होंगे। (जास)

भारतीय सैन्य अकादमी में एलयू छात्र का चयन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एक कमीशन अधिकारी के रूप में भारतीय सेना में शामिल होना अत्यधिक जनों का सपना होता है,परन्तु कुछ ही लोग उस सपने को हकीकत में तब्दील कर पाते हैं। उन कुछ चुनिंदा व्यक्तियों में से 64 यूपी वाहिनी के एक कैडेट एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र कुशाग्र मिश्रा ने ऑल इंडिया रैंक 61 के साथ भारतीय सैन्य अकादमी के लिए चयनित हुए। कुशाग्र मिश्रा ने लविवि से अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं हिन्दी विषयों के साथ बीए की परीक्षा-2023 में उत्तीर्ण की थी। कुशाग्र मिश्रा ने अपने प्रथम प्रयास में एसएसबी उत्तीर्ण की। कुशाग्र ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर उनकी यात्रा में परिवर्तनकारी चरण रहा है। वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं किताबें पढ़ने सहित कई पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां भी करते हैं। अब वह अधिकारी बनने के यादगार सफर में सहयोगी बनने के लिए भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में जुलाई माह से शामिल होंगे।

भारतीय सैन्य अकादमी में एलयू छात्र का चयन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एक कमीशन अधिकारी के रूप में भारतीय सेना में शामिल होना अत्यधिक जनों का सपना होता है,परन्तु कुछ ही लोग उस सपने को हकीकत में तब्दील कर पाते हैं। उन कुछ चुनिंदा व्यक्तियों में से 64 यूपी वाहिनी के एक कैडेट एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र कुशाग्र मिश्रा ने ऑल इंडिया रैंक 61 के साथ भारतीय सैन्य अकादमी के लिए चयनित हुए। कुशाग्र मिश्रा ने लविवि से अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं हिन्दी विषयों के साथ बीए की परीक्षा-2023 में उत्तीर्ण की थी। कुशाग्र मिश्रा ने अपने प्रथम प्रयास में एसएसबी उत्तीर्ण की। कुशाग्र ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर उनकी यात्रा में परिवर्तनकारी चरण रहा है। वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं किताबें पढ़ने सहित कई पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां भी करते हैं। अब वह अधिकारी बनने के यादगार सफर में सहयोगी बनने के लिए भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में जुलाई माह से शामिल होंगे।

लवि में हुई प्रतियोगिताएं

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो बोनो क्लब के संयोजक डा. आलोक कुमार यादव की ओर से अंतर महाविद्यालय पंच प्राण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग अथवा क्विज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। स्लोगन प्रतियोगिता की विजेता आरुषि, पेंटिंग में अदिति सिंह और प्रश्नोत्तरी में गौरव चावला विजेता रहे। मनीष तिवारी, यश, रीतम, काव्या सिंह को प्रो बोनो क्लब के सबसे समर्पित सहयोगी होने का सम्मान मिला। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार मिला। (जास)

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के सबसे प्रसिद्ध प्रो बोनो क्लब के संयोजक डॉ.आलोक कुमार यादव द्वारा अंतर महाविद्यालय पंच प्राण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विधि संकाय प्रमुख प्रो.बी.डी. सिंह, निदेशक न्यू कैम्पस लविवि, प्रो.आर.के.सिंह, डॉ.आलोक यादव और डॉ.अभिषेक तिवारी मौजूद रहे। संकाय प्रभारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक साक्षरता को बढ़ावा देना है। इस प्रतियोगिता में स्लोगन राईटिंग,पोस्टर मेकिंग अथवा क्विज प्रतियोगिता हुई। स्लोगन प्रतियोगिता की विजेता आरुषि,पेंटिंग प्रतियोगिता क्विज विजेता अदिति सिंह और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की विजेता गौरव चावला बने। मनीष तिवारी, यश, रीतम, काव्या सिंह को प्रो बोनो क्लब को सबसे समर्पित सहयोगी होने का सम्मान मिला। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार मिला। पंच प्राण प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों के कुल 65 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का विषय विविधता में एकता था, छात्रों ने संवैधानिक अखंडता को बनाए रखने और संस्कृतियों, क्षेत्रों, धर्मों और नस्लों की विविधता का जश्न मनाने के लिए अपने रचनात्मक कौशल दिखाए।

लविवि की दो प्रोफेसर को शोध अनुदान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद,नई दिल्ली ने एस्पायर इंटर ट्रांस डिसिप्लिनरी साइंस योजना के परिणाम आज घोषित किए। सीएसआईआर एस्पायर योजना महिलाओं को अंतर ट्रांस अनुशासनात्मक अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तपोषित करती है। देशभर में कुल 37 सफल आवेदनों में से लखनऊ विश्वविद्यालय की दो महिला शिक्षिकाओं, डॉ.शशि पांडे, रसायन विज्ञान विभाग और डॉ.रोली वर्मा, भौतिकी विभाग को इन अनुदानों से सम्मानित किया गया है। लविवि के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ.शशि पांडे को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद,नई दिल्ली द्वारा एस्पायर इंटर ट्रांस डिसिप्लिनरी साइंस योजना के तहत 22.5 लाख रुपये का शोध अनुदान प्रदान किया गया है। यह परियोजना नए कैसर रोधी एजेंटों के विकास पर है जो दो लक्ष्यों पर

एक साथ काम करेंगे और इसलिए कैंसर रोग पर अधिक कुशलता से काम करेंगे। डॉ.शशि पांडे को बहुत उम्मीद है कि प्रस्तावित अणुओं में से कुछ परिभाषित लक्ष्यों के खिलाफ उत्कृष्ट गतिविधि प्रदर्शित करेंगे,जो सफल दवा के विकास के लिए एक प्रमुख अणु हो सकते हैं। ये दवा अणु एकल दवाओं द्वारा प्रतिरोध के विकास की समस्या के साथ-साथ संयोजन चिकित्सा की जटिलता को भी दूर कर देंगे। जो अंततः कैंसर रोगियों, विशेष रूप

से मस्तिष्क मेटास्टेसिस के इलाज के लिए अत्यधिक अपूरित चिकित्सा आवश्यकताओं को मजबूती से पूरा करेगा। डॉ.रोली वर्मा, लविवि के भौतिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं,उन्हें 14.5 लाख रुपये से सम्मानित किया गया। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद,नई दिल्ली द्वारा एस्पायर योजना के तहत एक एसआरएफ पद के साथ 14.5 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान मिला। यह परियोजना जल संसाधनों में ई-कचरे विशेषकर सीसा आयनों का पता लगाने के लिए वर्णमिति सेंसर के विकास पर है। यह खतरनाक जल जनित बीमारियों से सुरक्षा और इलाज के लिए नई संभावनाएं प्रदान करेगा। डॉ.रोली वर्मा को बहुत उम्मीद है कि प्रस्तावित डिज़ाइन बहुत किफायती और लेबल मुक्त ई-कचरा सेंसर का नेतृत्व करेगा। जिसके साथ कोई भी नग्न आंखों के माध्यम से जल प्रदूषण को देख सकता है। इस परियोजना की प्रगति अंततः पर्यावरणीय स्वच्छ पेयजल के लिए ई-कचरे का पता लगाने की चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करेगी। इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के खर्च को कम करने में मदद मिलेगी और अंततः आम लोगों के चिकित्सा खर्च में भी कमी आएगी। इस उपलब्धि पर लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने दोनों शिक्षिकाओं को बधाई दी।